

वर्ष 2030 तक एशिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत

प्रलिस के लयि:

सकल घरेलू उत्पाद (GDP), स्टार्टअप, प्रत्यक्ष वदिशी नविश (FDI), 'मेक इन इंडिया', इलेक्ट्रॉनिक्स पर राष्ट्रीय नीति-2019 (NPE 2019)

मेन्स के लयि:

भारत की अर्थव्यवस्था की स्थितिसे संबंधति चतिाँ और इस संबंध में उठाए गए कदम

चर्चा में क्यौं?

'इंफॉर्मेशन हैडलुगि सर्वसिज़' (IHS) मार्कटि रपिर्ट के मुताबकि, भारत वर्ष 2030 तक जापान को एशिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में पीछे छोड़ सकता है।

- भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम के बाद छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- आईएचएस मार्कटि दुनिया भर में अर्थव्यवस्थाओं को संचालति करने वाले प्रमुख उद्योगों और बाज़ारों के लयि सूचना, वशि्लेषण और समाधान प्रस्तुत करने वाली एक अग्रणी वैश्वकि कंपनी है।

नोट: कसिी देश की समग्र अर्थव्यवस्था का आकार प्रायः उसके सकल घरेलू उत्पाद द्वारा मापा जाता है, जो कसिी दयि गए वर्ष में कसिी देश के भीतर उत्पादति सभी अंतमि वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य होता है।

प्रमुख बदि

- **जीडीपी अनुमान:**
 - मूल्य के संदर्भ में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2021 में 2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर था, जसिके वर्ष 2030 तक बढ़कर 8.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाने का अनुमान है।
 - यह बढ़ती अर्थव्यवस्था के मामले में जापान को पीछे करने हेतु काफी है, जसिसे भारत वर्ष 2030 तक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।
 - पछिले वति्त वर्ष में 7.3% की गरिशवट की तुलना में वर्ष 2021-22 में भारत की वकिस दर 8.2% रहने का अनुमान है।
 - हालाँकि चालू वति्त वर्ष (FY) की गतवर्ष 2022-23 में भी जारी रहेगी और भारत 6.7% की वृद्धि दर हासलि करेगा।
- **वभिन्नि क्षेत्रों की भूमकि:**
 - भारत की वकिस दर को बढ़ाने में ई-कॉमर्स क्षेत्र के साथ-साथ वनिरिमाण, बुनयिदी ढाँचा और सेवा क्षेत्र की बड़ी भूमकि है।
 - इतना ही नहीं, डिजिटलिकरण बढ़ने से आने वाले समय में ई-कॉमर्स बाज़ार और बड़ा हो जाएगा।
 - एक रपिर्ट के मुताबकि वर्ष 2030 तक 1.1 अरब भारतीयों के पास इंटरनेट होगा, वर्ष 2020 में यह संख्या 50 करोड़ थी।
- **वृद्धि दर:**
 - कुल मलिाकर भारतीय अर्थव्यवस्था का भवषिय मज़बूत और स्थरि दिखिता है, जो इसे अगले दशक में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला देश बनाता है।
 - लंबी अवधि में भी बुनयिदी ढाँचा क्षेत्र और स्टार्टअप जैसे तकनीकी वकिस भारत की तीव्र वकिस दर को बनाए रखने में बड़ी भूमकि नभाएंगे।
 - दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के नाते भारत उद्योगों की एक वसितृत शृंखला में बहुराष्ट्रीय कंपनयिों के लयि सबसे महत्त्वपूर्ण दीर्घकालिक वकिस बाज़ारों में से एक बन जाएगा, जसिमें ऑटो, इलेक्ट्रॉनिक्स, परसिंपतता प्रबंधन, स्वास्थय देखभाल और सूचना प्रौद्योगिकि एवं रसायन जैसे वनिरिमाण उद्योग तथा बैंकिग, बीमा जैसे सेवा उद्योग शामिल हैं।

- **मध्यम वर्ग का समर्थन:**
 - भारत को सबसे ज्यादा मदद उसके विशाल मध्यम वर्ग से मिलती है, जो उसकी मुख्य उपभोक्ता शक्ति है।
 - अगले दशक में भारतीय उपभोक्ता खर्च भी दोगुना हो जाएगा। यह वर्ष 2020 में 1.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2030 में 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो सकता है।
- **एफडीआई अंतरवाह:**
 - पछिले पाँच वर्षों में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह में बड़ी वृद्धि 2020 और 2021 में भी मजबूत गतिके साथ जारी है।
 - इसे वैश्विक प्रौद्योगिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों (MNCs) जैसे कि Google और Facebook से निवेश के बड़े प्रवाह से बढ़ावा मिला रहा है, जो भारत के बड़े घरेलू उपभोक्ता बाजार की ओर आकर्षित हैं।
- **भारत की अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति:**
 - वर्ष 2021-22 की पहली त्रिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के अनंतिम अनुमानों के अनुसार, मौजूदा कीमतों पर भारत की GDP वृद्धि वर्ष 2012 की पहली त्रिमाही में 694.93 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी।
 - भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा **यूनिफॉर्म बेस** है, जहाँ 21 से अधिक यूनिफॉर्म का सामूहिक मूल्य 73.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।

अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये सरकार की पहल

- **'मेक इन इंडिया' और इलेक्ट्रॉनिक्स 2019 पर राष्ट्रीय नीति (एनपीई 2019)**
- **वभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई)**
- **प्रमुख दूरसंचार क्षेत्र के सुधार:**
 - सितंबर 2021 में प्रमुख दूरसंचार क्षेत्र में सुधारों को मंजूरी दी गई है, जिससे रोजगार, विकास, प्रतस्पर्द्धा और उपभोक्ता हितों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
 - समायोजित सकल राजस्व और बैंक गारंटी (BGs) का युक्तिकरण तथा स्पेक्ट्रम साझाकरण को प्रोत्साहित करना प्रमुख सुधारों में से है।
- **डीप ओशन मशिन:**
 - भारत सरकार ने अगस्त 2021 में अगले पाँच वर्षों में 4,077 करोड़ (553.82 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के बजट परियोजना के साथ **डीप ओशन मशिन (DOM)** को मंजूरी दी।
- **अक्षय स्रोतों पर ध्यान देना:**
 - ऊर्जा उत्पादन करने के लिये भारत अक्षय स्रोतों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह वर्ष 2030 तक अपनी ऊर्जा का 40% गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करने की योजना बना रहा है, जो वर्तमान में 30% से अधिक है और वर्ष 2022 तक अपनी **निवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 175 गीगाटन (GW)** तक बढ़ाना है।
 - इसके अनुरूप भारत और यूनाइटेड किंगडम ने संयुक्त रूप से मई 2021 में वर्ष 2030 तक जलवायु परिवर्तन में सहयोग एवं मुकाबला करने हेतु एक 'रोडमैप 2030' लॉन्च किया।

आगे की राह

- एक ओर जहाँ वर्ष 2021 में वननिर्माण और निर्माण जैसे क्षेत्रों में तेजी से सुधार हुआ, वहीं दूसरी ओर, कम-कुशल व्यक्ति, महिलाएँ, स्वरोजगार वाले लोग और छोटी फर्मों पीछे रह गईं।
- बुनियादी ढाँचा और वननिर्माण दो स्तंभ हैं जिनका उपयोग संरचनात्मक रूप से विकास को आगे बढ़ाने के लिये किया जाना चाहिये।
 - हालाँकि बुनियादी ढाँचे के निर्माण या निवेश चक्र के पुनरुद्धार के लिये, सामान्य तौर पर नज्दी क्षेत्र को भी योगदान देना शुरू करना होगा।
 - नज्दी कॉर्पोरेट और घरों में पुनरुद्धार के लिये बुनियादी बातें वित्तीय संस्थानों, विशेष रूप से बैंकों के साथ बेहतर स्थिति, कॉर्पोरेट्स और कम ब्याज दर शासन के साथ उभर रही हैं।
- वृद्धि वर्ष 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था की रकवरी पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि घरेलू आय कतिनी तेजी से बढ़ रही है एवं अनौपचारिक क्षेत्र और छोटी फर्मों में गतिविधि सामान्य रहती है।
- नज्दी क्षेत्र को लैबी अवधि के लिये संपत्ति निर्माता करने के साथ भारत में व्यापार को आसान बनाने तथा लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना चाहिये।
- कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी भारत के विकास का एक प्रमुख चालक है। इसलिये भारत को महिलाओं की भागीदारी बढ़ानी चाहिये।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस